भूमिका

भारत एक विशाल देश है जिसकी जलविज्ञानीय समस्याएं स्थान के अनुसार बदलती रहती हैं। सूखा एवं बाढ़ हमारे लिए कोई नये शब्द नहीं हैं। यह सौभाग्य की बात है कि प्रकृति की इस अनुपम देन "जल" के यथेष्ट भंडार हमारे देश में उपलब्ध हैं परन्तु आज आवश्यकता है कि हम नयी-नयी तकनीकों का उपयोग करते हुए इस संसाधन के उचित उपयोग एवं प्रबंधन पर जोर दें।

अन्य देशों से अलग हमारे देश की यह समस्या है कि साल में यहां वर्षा कुछ ही दिन होती है। 80% से अधिक दिन वर्षा रहित होते हैं। हमारे लिये यह आवश्यक है कि उचित संरचनाओं एवं बांधों आदि द्वारा वर्षा के जल को एकत्रित किया जाए जिसको आवश्यकतानुसार उपयोग किया जा सके। इससे बाढ़ को नियंत्रित किया जा सकेगा और समय पर पानी व बिजली भी मिलेगी।

विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में बढ़ते नये आयामों का पूरा लाभ तभी है जब उनकी जानकारी आम जनता तक पहुंचे। इस प्रकाशन का मुख्य उददेश्य जन साधारण में जलविज्ञान के प्रति चेतना उत्पन्न करना है ताकि आम जनता जल संसाधन के महत्व को समझ सके। इस पुस्तिका में जलविज्ञान में सामान्यतया प्रयुक्त होने वाले 460 शब्दों की परिभाषाओं का संकलन है। परिभाषाओं को जलविज्ञान परिभाषाओं की कुछ मानक पुस्तकों, जैसे International Glossary of Hydrology, भारतीय मानक कोड़, Handbook of Hydrology इत्यादि से संकलित किया गया है। परिभाषाओं में एक रुपता बनाए रखने के लिए उनमें कुछ संशोधन भी किये गये हैं।

यह कार्य संस्थान की एक वैज्ञानिक, डा. दिव्या के कार्यकाल में प्रारंभ हुआ था परन्तु विधि के विधान ने दिनांक 24-3-96 को डा. दिव्या को हमसे छीन लिया। तदुपरान्त इस कार्य को श्री मनमोहन कुमार गोयल, वैज्ञानिक "सी" ने हाथ में लिया एवं इसे पूर्ण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री महेन्द्र सिंह, आशुलिपिक (हिन्दी), श्री रामकुमार, आशुलिपिक (हिन्दी) एवं श्रीमती महिमा गुप्ता, आशुलिपिक ग्रेड-II ने इस कार्य को टंकित करने में अपना योगदान दिया। श्री टी. आर. सपरा ने परिभाषाओं का हिन्दी रुपान्तरण किया जबकि श्री पी. के. अग्रवाल, वरिष्ठ शोध सहायक ने इसकी त्रुटियों में संशोधन का कार्य किया। डा. भगवान दास पटैरया, निदेशक, केन्द्रीय जल आयोग, आगरा, ने परिभाषाओं की जांच का कार्य किया।

मैं आशा करता हूं कि यह प्रकाशन देश की आम जनता में जलविज्ञान में प्रयुक्त शब्दावली की आवश्यक जानकारी प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा।

सौभाग्य सेठ

(सौभाग्य मल सेठ)

26/1/98